प्रेसनोट

राजभाषा विभाग, दीव द्वारा कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई

दीव : राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 11/07/2014 एवं 12/07/2014 को सुबह 9.30 बजे से संध्या 5.00 बजे तक तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान-दीव में कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था । इस कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों को राजभाषा नितियों एवं राजभाषा हिन्दी में कार्यालयीन कामकाज के दौरान आने वाली कठिनाईयों के निराकरण करने के लिए किया गया था । कार्यशाला के आरंभ होने से पहले राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अनिल कौशिक ने उपस्थित सभी कर्मचारियों का स्वागत किया । उन्होंने हिन्दी कार्यशाला के प्रयोजनों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हम सब की संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम कार्यालयीन कामकाज अधिक से अधिक राजभाषा हिन्दी में करें । प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक कर्मचारियों को पत्राचार, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के दौरान नित्य प्रयोग में आने वाली शब्दावलियों से रू-ब-रू कराते हुए शब्दों को छोटे-छोटे वाक्यों में प्रयोग करके बतलाया । उन्होंने कहा कि लेखन के दौरान हमें ज्यादातर छोटे वाक्य लिखना चाहिए, लंबे वाक्यों में जटिलता आ जाती है, जिसके कारण मूल संदर्भ को समझने में कठिनाई होती है ।

इसके अलावे, सहायक निदेशक संघ प्रदेश दमण एवं दीव के लिए निर्धारित 90 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने एवं धारा 3(3) के तहत् जारी किये जाने वाले दस्तावेज द्विभाषी अर्थात् अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषाओं जारी किये जाने वाले दस्तावेजों के बारे में बतलाया । उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हम किसी भी भाषा को एक दिन में नहीं सीख सकते हैं । इसे शनैः शनैः एवं स्वयं सीखने की प्ररेणा से होती है । उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि यदि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी कार्यसाधक ज्ञान रखता हो, तो वे स्वयं प्रयास से भी हिन्दी में कामकाज कर सकता है और काम करते-करते उसमें कुशलता हासिल की जा सकती है ।

प्रशिक्षण का माध्यम सीधा, सरल एवं सुबोध रहा, ताकि प्रशिक्षार्थी इस प्रशिक्षण से अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके और उनमें हिन्दी में कामकाज करने की रूचि एवं जिज्ञासा की प्रवृति जागृत हो ।